

पिएम ने कालाराम मंदिर में की साफ-सफाई

पोज़िशन में रहे नौदी में गंगादेव के नाविक जिले में स्थित श्री कालाराम मंदिर में सरपंच अश्विनी काज ने हिरिया लिया। इस दौरान वे मंदिर परिसर में पोज़ लगाते हुए नज़र आए। नौदी में आपने एक कार्यक्रम के दौरान इसका जिक्र भी किया और देनावाहियों से आभिनंदन की वे देशभर के मंदिरों में सरपंच अश्विनी काज द्वारा। उन्होंने कहा, "जैसे आइएन किया था कि 22 नवम्बर तक इस सभी देश में तीर्थ सयाओं की और मंदिरों की ■ जेप पृष्ठ 6 पर

[illegible]

॥ उत्तरदेश के पूर्व मुखर्जीनी और समजानदी की दो गृहीय अथवा अधिकृत जाति के लोग उत्तम अंगरेजों से जुड़े हुए स्थिति हिंदू परिवर्ण के बंधकों की तरह दिखते को पचाने से भी इनकार कर दिया और अंगरेज अस्वीकार कर दिया। आधुनिकतावादी में शामिल समजानदी, नौशेर कानू, लालू लाल और अर्बिंद कर्जवीराल अंगरेज नेताओं में से ३ अभी तक यह स्पष्ट नहीं कि कि वे अंगरेज जाति या जाति हैं, हिंदू दलों के लोग जिस तरह से बयान कर रहे हैं। उसे देखते हुए यह लता है कि कौंसिल की टिका टिका से वो भाग प्रजापति समारोह का बहिर्गमन ही करे। निर्विवाद से निष्कर्ष प्रतीत होता है नेताओं का और खासतौर पर कांसि के बड़े नेताओं का यह फैसला अप्रसन्न की बात है। जब वे ये कहते हैं कि मजानान श्रीम स्वर्ण के हैं फिर उत्तम प्राण प्रजापति में शरितक करने से अधिक का दिकार है। इन नेताओं को अपने फैसले पर पूर्विकार करना चाहिए और दंगल भजान से ऊपर उत्तम प्रजापति के प्राण प्रजापति समारोह का समर्थन करना चाहिए। यकन बहुलकसम हिंदुओं के बीच इन नेताओं की जाति बर्गी और आधुमिकी लोकमन चतुर्वे में उसे इसका खामियाना भुगतान पत्र जाए तो कौंसिल रहत नहीं होगी।

सम्राज्य में होती जाती हैं। बुद्ध के जन्म के समय के हिंदी भाषा के सभी ज्ञानी के विचारों से संकेत हैं। डॉ. भूमिका भारती, डॉ. जयदेव शर्मा, डॉ. प्रमथनराज, डॉ. सुखदेव, महादेवी माता आदि से जन्म विचार-विचारों और संवाद होता है। डॉ. भूदेव माता को अपना प्रेरणा से संकेत मानते हुए ये अपनी आत्मकथा 'एन इन्सॉल्वेबल क्वेश्चन, हिंदी-अंग्रेजी और तुलसी-हिंदी' में लिखते हैं। 1945 ई. डॉ. भूदेव माता को प्रेरणा से मिले हुए, के बाद इलाहाबाद से डॉ. माता प्रसाद प्रेरणार्थ में सोचा कि डॉ. भूदेव इलाहाबाद के प्रसार को के अपने जीवन का 'हिंदी' वार्ता' कहते हैं। महादेवी माता को 'प्रति' और इलाहाबाद के लोगों को ये 'मार्कवा' वाले' बुद्ध के।

बुद्ध के प्रस्तुत शोध-प्रमथमा उद्देश्य और प्रस्तुत की विचारधारा कि यह प्रस्तुत हिंदी में प्रस्तुत शोध शोध पत्र हैं। प्रस्ताव बुद्ध को जिस समय इलाहाबाद में शोध कर रहे थे, उस समय सभी विचारों में सोचा प्रेरणा और ओसी भाषा में ही प्रस्तुत किया जाते हैं। प्रस्ताव बुद्ध को इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रस्ताव विद्या परिषद से शोध प्रस्ताव किया कि उन्हें हिंदी भाषा में शोध प्रस्तुत करने की अनुमति दी जाए। इसके लिए अंततः शोध संबंधी निम्नलिखित में परिचित किया गया।

खाँ	
मि	
छा	
न	
भो	
र	

साल हो गए हैं। मेरे पहले को-स्टार मोहना बाबू के साथ मेरी पहली तलाक़ फिल्म... मेरे दिल में भोजपुरी सारी यादें और दुःख आया। कई सालों के बाद आपसे दोबारा मिलना किन्तुन प्यारा और शानदार अनुभव है। बहुत कुछ बदल गया है, लेकिन, एक अभी भी वैसा ही है। हलडोली में प्यार और उनकी कदम के साथ एक साथ रखने अलगाव को और लिखा। १ नवोदोहने के १० साल पूरे एक दशक को मुबारक विश्वास रखें जो हाद कि एक दशक हो गया।

चक्रवर्त को बात करें तो फिल्म के पास शाहिद कपूर के साथ एक अटलटल कृति है, जिसके घोषणा बह बुधवार की केंद्री। उनके पास पापलपानु न दे कर भी है, जिसमें बह कनिंन कपूर और तब्य के साथ नर आगीरी और प्रोवखन सह को पहली फिल्म दो पती भी है।

[illegible]